## तारे घबराते हैं

तारे घबराते हैं
शायद इसीलिये टिमटिमाते हैं,
सूरज से डरते हैं
इसलिये दिन में छिप जाते हैं।
चॉद से शरमाते है
पर आकाश में निकल आते हैं,
तारे घबराते हैं
शायद इसीलिये टिमटिमाते हैं।
लोग कहते हैं
अंतरिक्ष अनंत है,
लेकिन मैने देखा नहीं
मै तो केवल इतना जानता हूँ
सूरज बादल में छिप जाता है
चॉद बादल में छिप जाता है
सो तारे जब डरते शरमाते होंगे
बादल में छिप जाते होंगे।
तारे घबराते हैं
शायद इसीलिये टिमटिमाते हैं ।

रूपेश कुमार "राहत"